अडिग चट्टान – जीवन के तूफानों में हमारा सुरक्षित आश्रय

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

“काल की चट्टान, मेरे लिए फटी, मुझे तुझमें छुपने दे…” — ये शब्द ईसाई भजनों में से एक सबसे प्रिय भजन के हैं। लेकिन इस भजन के पीछे एक जीवंत और प्रेरक कहानी छिपी है, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं।

यह भजन ऑगस्टस मोंटेग्यू टॉपलेडी, इंग्लैंड के एक प्रोटेस्टेंट उपदेशक, ने लिखा था। 1763 में, जब वह ब्लैगडन नामक गाँव में प्रचार करने जा रहे थे, अचानक उन्हें एक भयंकर तूफान घेर लिया। बारिश इतनी तेज थी कि कहीं भी छिपने का मौका नहीं था। लेकिन पास ही एक बड़ी चट्टान थी, जिसमें एक छोटी दरार थी—बस एक व्यक्ति के छिपने के लिए पर्याप्त।

हवा तेज़ थी और बारिश हो रही थी, लेकिन उन्होंने उस दरार में कदम रखा और तूफान शांत होने तक वहीं रुके रहे। ठंड और डर के बीच, उन्होंने सोचना शुरू किया कि कैसे यह भौतिक चट्टान उन्हें सुरक्षित रख रही है—और उसी तरह येसु मसीह हमारी आध्यात्मिक चट्टान हैं, जीवन के तूफानों में हमारा आश्रय और सुरक्षा।

यहीं उनके हृदय में भजन के शब्दों का जन्म हुआ:
“काल की चट्टान, मेरे लिए फटी, मुझे तुझमें छुपने दे…”

इस अनुभव ने ईसाई विश्वास के सबसे महान भजनों में से एक को जन्म दिया, जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक विश्वभर में

अडिग चट्टान – जीवन के तूफानों में हमारा सुरक्षित आश्रय

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

विश्वासियों को आशीर्वाद दिया है।

मसीह – हमारी सच्ची चट्टान

शास्त्र में, “चट्टान” अक्सर परमेश्वर की शक्ति, स्थिरता और सुरक्षा का प्रतीक है।

“वह ही मेरी चट्टान और मेरी उद्धारक है, मेरा किला है; मैं
कभी हिलूंगा नहीं।” — भजन संहिता 62:6

नए नियम में, प्रेरित पौलुस बताते हैं कि यह “आध्यात्मिक चट्टान” केवल रूपक नहीं है, बल्कि मसीह स्वयं का संकेत है:

“और सब ने वही आध्यात्मिक पेय पी। क्योंकि वे उस आध्यात्मिक चट्टान से पी रहे थे जो उनके पीछे चल रही थी, और वह चट्टान मसीह था।” — 1 कुरिन्थियों 10:4

जैसे इस्राएलियों को मरूभूमि में पानी और आश्रय देने वाली चट्टान (निर्गमन 17:6) उनका जीवन बचाती थी, वैसे ही मसीह हमें

अडिग चट्टान – जीवन के तूफानों में हमारा सुरक्षित आश्रय

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

आध्यात्मिक जीवन, सुरक्षा और ताजगी प्रदान करते हैं। वह अडिग नींव हैं, जिन पर हम भरोसा कर सकते हैं जब जीवन अनिश्चित हो।

तूफान आए तो चट्टान की ओर भागो

जीवन में तूफान आएंगे—भावनात्मक, आध्यात्मिक, शारीरिक या आर्थिक। आप फंसे, निराश या थके हुए महसूस कर सकते हैं। लेकिन जैसे टॉपलेडी ने चट्टान की दरार में आश्रय पाया, आप भी मसीह में अपना सुरक्षित आश्रय पा सकते हैं।

“यहोवा मेरी चट्टान, मेरा किला और मेरा उद्धारक है; मेरा परमेश्वर, मेरी चट्टान, जिसमें मैं शरण लेता हूँ।” — भजन संहिता 18:2

येसु न केवल तूफान में आश्रय हैं; वह सूखे मौसम में जीवनदायिनी जल का स्रोत और गर्मी में छाया भी हैं:

“गरीब और जरूरतमंद जब जल मांगते हैं और कोई नहीं होता, और
उनकी जीभ प्यास से सूख जाती है, तब मैं, यहोवा, उनका उत्तर दूँगा।” — यशायाह 41:17

अडिग चट्टान – जीवन के तूफानों में हमारा सुरक्षित आश्रय

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

“…तूफान से छाया और गर्मी से शरण।” — यशायाह 25:4

क्या आप चट्टान पर खड़े हैं?

ईमानदारी से अपने आप से पूछें:

संकट आने पर आप कहाँ जाते हैं?
आपका जीवन किस नींव पर खड़ा है?
क्या आपने मसीह में अपना स्थान पाया है?

यदि आपने अभी तक अपना जीवन येसु को नहीं दिया है, तो यह वही क्षण है। तूफान का इंतजार मत कीजिए। अब उनके पास आइए—वह आपको स्वीकार करेंगे, क्षमा देंगे और आपका शाश्वत आश्रय बनेंगे।

“जो कोई मेरे इन शब्दों को सुनकर उनका पालन करता है, वह उस बुद्धिमान पुरुष के समान होगा जिसने अपना घर चट्टान पर बनाया।” — मत्ती 7:24

अडिग चट्टान – जीवन के तूफानों में हमारा सुरक्षित आश्रय

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

यदि आप पहले से मसीह के हैं और कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं—निराश न हों। तूफान आएंगे, लेकिन चट्टान स्थिर है। उनका प्रेम कभी कम नहीं होता। उनके वादे अडिग रहते हैं।

“परमेश्वर हमारी शरण और शक्ति है, संकट में बहुत पास की सहायता।” — भजन संहिता 46:1

इसलिए क्रूस को याद करें, अपने उद्धारकर्ता पर चिंतन करें और प्रार्थना और उपासना में उनके पास आएँ। कठिन समय में भी आपका उद्धारकर्ता पास है और वह आपको सुरक्षित रखेंगे।

भजन से प्रेरणा लें

इस भजन को केवल कविता के रूप में न देखें, बल्कि प्रार्थना और विश्वास का उद्घोष मानकर पढ़ें या गायें:

काल की चट्टान, मेरे लिए फटी,
मुझे तुझमें छुपने दे;
तेरी जख्मी भुजा से बहा जल और रक्त,
पाप के दोष का दोगुना उपचार हो;

अडिग चट्टान – जीवन के तूफानों में हमारा सुरक्षित आश्रय

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

इसे साफ कर दे, दोष और शक्ति से।

मेरे हाथों के श्रम से नहीं
तेरे कानून की माँग पूरी होती;
अगर मेरी उत्सुकता को कोई विश्राम न मिले, मेरी आंसू हमेशा बहें,
सब पाप का प्रायश्चित नहीं कर सकता;
तुझे ही बचाना होगा, केवल तुझे।

मेरे हाथ में कुछ नहीं,
केवल तेरे क्रूस में मैं पकड़ता हूँ;
नग्न, आओ तेरे पास परिधान के लिए;
असहाय, कृपा के लिए तेरी ओर देखता हूँ;
गंदा, मैं स्रोत की ओर भागता हूँ;
मुझे धो दे, उद्धारकर्ता, नहीं तो मैं मर जाऊँगा।

जब तक मैं सांस ले रहा हूँ,
जब मेरी आँखें मृत्यु में बंद होंगी,
जब मैं अनजानी दुनिया में उठूँगा

अडिग चट्टान – जीवन के तूफानों में हमारा सुरक्षित आश्रय

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

और तुझे तेरे सिंहासन पर देखूँगा,
काल की चट्टान, मेरे लिए फटी,
मुझे तुझमें छुपने दे।

येसु मसीह काल की चट्टान हैं—अडिग, अचल और शाश्वत रूप से वफादार। तूफान हो या सूखी मरूभूमि, वह आपका आश्रय, आपकी शक्ति और आपका उद्धारकर्ता हैं।

आज ही उनके पास भागें—और कभी असहाय नहीं होंगे।

“क्योंकि तू मेरी शरण रहा, शत्रु के विरुद्ध मेरी मजबूत
गढ़।” — भजन संहिता 61:3

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp